जंगली जानवरों से फसलों को नुकसान: समस्या व समाधान

राम ए जाट, भार्गव ठुम्बर व पी वी झाला

भा. कृ. अनु. प.- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जुनागढ 362001 गुजरात

जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुँचाना न केवल किसानों के लिए एक गम्भीर समस्या है बल्कि सम्बंधित सरकारी विभागों के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गयी है। जैसा कि हमें ज्ञात है आवास, कृषि, उद्योगों तथा अन्य विकास कार्यों के लिए वनों की अंधाधुन्द कटाई के कारण जंगली जानवरों के लिए उनके प्राकृतिक आवास की कमी हो गयी है जिसके कारण जंगली जानवर भोजन व आवास की तलाश में कृषि क्षेत्रों में पलायन करते हैं जिससे मानव-जानवर में टकराव की घटनायें बढ़ गयी है। जंगली जानवर खासकर नीलगाय, जंगली सूअर, बन्दर आदि फसलों को काफी नुकसान पहुँचाते है जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। किसान फसलों को बचाने के लिए हताशा में गैर-क़ानूनी तरीके जैसे कि खेत के चारों ओर बिजली का करंट प्रवाहित करना, जहर चारा रखना, बन्दुक से मारना आदि अपनाते है जिससे सरंक्षित वन्य जीव जैसे शेर, बाघ, हाथी आदि के मरने की खबरें आये दिन आती रहती है। अत: मानव-जानवर में टकराव की घटनायें रोकने की दिशा में उचित व व्यस्थित कदम उठाने की तुरंत आवश्यकता है। जहाँ सरकार को उचित नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है वहीं किसान उचित उपाय अपनाकर जंगली जानवरों को फसलों से दूर रखने की कोशीश कर सकतें हैं। यहाँ पर कुछ ऐसे ही सरल उपाय सुझाये गए हैं जिनको किसान अपनी सुविधा तथा उपयुक्तता के हिसाब से एक या एक से अधिक को अपनाकर फसलों को जंगली जानवरों से सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं।

1. **पुरानी ट्यूबलाईट लगाना**: पुरानी या बेकार ट्यूबलाईट को स्टैंड पर क्षैतिज स्थिति में रखने पर प्रकाश के परावर्तन से जानवर खेत से दूर रहते है ।
2. **पुरानी साडी या कपड़े को खेत की सीमा पर बांधना** : पुरानी साडी या कपड़े को खेत की सीमा पर बांधने से खेत में कोई व्यक्ति के होने का आभास होता है जिससे जानवरों को खेत में आने का डर रहता है ।

3. **टीन के डब्बे से स्वत: आवाज़ करना**: खाली टीन के डिब्बे पर लोहे का मोटा बोल्ट या नट बांधकर बांस की लम्बी डंडी से ऊपरी छोर पर बांध दिया जाता है । हवा कि वजह से बोल्ट या नट टीन के डिब्बे से टकराता है जिससे आवाज निकलती है और जानवर डर की वजह से खेत से दूर रहते हैं।
4. **खराब केसेट की टेप को लगाना**: बेकार केसेट कि टेप या कॉम्पैक्ट डिस्क (CD या DVD) को खेत में बांधने से प्रकाश का परावर्तन होता है जिससे जानवरों को खेत से दूर रखा जा सकता है ।
5. **पटाखे फोडने वाला यंत्र**:इस यंत्र में लोहे की खोखली नली में कुछ दूरी पर छेद कर दिए जाते हैं तथा नली के अंदर उचित मोटाई का सूत का धागा डाल दिया जाता है। हरेक छेद पर एक या दो पटाखे बाँध दिए जाते है तथा सूत के धागे को नीचे से जला दिया जाता है। धागा धीरे-धीरे जलता रहता है तथा जैसे-जैसे छेदों तक जलता हुआ धागा पँहुचता है, वैसे-वैसे एक निश्चित समय-अंतराल पर पटाखे फटते रहते हैं। पटाखों की आवाज से जंगली जानवर खेत के पास नहीं आते हैं। किन्तु पटाखों के फटने से आग लगने का भय रहता है, अत: विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता रहती है।
6. **रसायनों की दुर्गन्ध** : सड़े हुए अंडे, आकडे के सड़े पत्तों या दुर्गन्धित बासी छाछ को खेत के चारो तरफ छिडकने से जानवर दुर्गंध के कारण खेत से दूर रहते हैं ।
7. **LED लाईट लगाना**: खेत के चारो ओर LED लाईट की शृंखला लगाकर रात के समय जलाने से जानवरों को खेत से दूर रखा जा सकता है ।
8. **खेत में अडवा लगाना** : खेत में लकड़ी के उपर कपड़े बांधकर व्यक्ति की तरह हाथ मुँह जैसी मुद्रायोजन बनाकर अडवा को खड़ा रखने से जानवरों को खेत से दूर रखा जाता है ।
9. **बाड़ लगाना**: खेत के चारो ओर काँटेदार तारों की बाड़ लगाकर फसलों को जंगली जानवरों से रक्षित कर सकते है। सरकार की तरफ से तारबंदी के लिए कुछ राज्यों में अनुधान भी दिया जाता है।
10. **स्वत: ध्वनि व प्रकाश यंत्र** : एक ऐसा यंत्र बनाया जा सकता है जो एक निश्चित समय अंतराल से स्वत: ध्वनि व प्रकाश निकालें। रात के समय ध्वनि व प्रकाश की वजह से जंगली जानवर खेत से दूर रहेंगे।

11. **जानवरों के लिए सुरक्षित कोरीडोर बनाना:** साथ ही सरकार को उचित नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है जैसे कि जंगली जानवरों के लिए सुरक्षित कोरीडोर बनायें जिससे कि समस्या की गंभीरता को कम किया जा सकें।

चित्र संख्या 1: जंगली जानवरों से फसलों को बचाने के साधारण उपाय: पुरानी ट्यूबलाईट लगाना, पुरानी साड़ी को खेत के चारों ओर बांधना, खराब केसेट की टेप को लगाना , खेत के चारों तरफ तारबंदी करना, खेत में अडवा लगाना, तथा टीन के डिब्बे से स्वत: आवाज़ करना (ऊपर बायें से घड़ीवत:)।